उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम नीतिशतकम् **कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 01**

Course Title : **Course Code : UGST-01**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्न श्लोकों में से किसी दो श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्ल लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिक मनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनमाकृतीनाम्।।

ख) अयं स ते तिष्ठति संगमोत्सुको
विशङ्कसे भीरू यतोऽवधीरणाम्।
लमभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं
श्रिया दुशपः कथमीष्सितो भवेत्।

ग) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना –
माविष्कृतोऽरूणपुरः सर एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु।।

प्रश्न–2 अधोलिखित किसी एक श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) गच्छति पुरः शरीरं धावति पष्चादसंस्तुतं चेतः।
चीनांशुकमिव केतोः प्रवि नीयमानस्य।।

ख) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कलस्य मे।
समुद्रवसना चोर्वीसखी च युवयोरियम्।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी दो सूक्ति की व्याख्या कीजिए – 6

क) सतां हि संदेह पदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरण प्रवृत्तयः।

ख) अकृतार्थेऽपि मनसिजरतिमुभयप्रार्थना कुरुते।

ग) न प्रभातरलं ज्योतिरूदेति वसुधातलात्।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें – 2
i) सूत्रधार ii) विदूषक iii) अपवारित iv) विषकम्भक

प्रश्न–6 नीतिशतक से किसी एक श्लोक को उद्धृत कीजिए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए –
विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्त धनं।
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरूः।
विद्या बन्धुजनो विदेषगमने विद्या परा देवता
विद्या राजसु पूज्यते नहि धनं विद्याविहीनः पशुः।।

प्रश्न–8 भर्तृहरि ने सत्संगति के विषय में क्या कहा है? 2

प्रश्न–9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक उद्धृत कर उसका लक्षण सहित अलंकार बताइए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत **विषय कोड : यू.जी.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त) छन्दोऽलंकार मंजूषा **कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 02**

Course Title : **Course Code : UGST-02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों का प्रसंग सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) स्निग्धश्यामाः क्वचिदपरतो भीषणभोगरूक्षाः
स्थाने स्थाने मुखरककुभो झाङ्.कृतैर्निर्झराणाम्।
एते तीर्थाश्रमगिरिसरिद्गर्तकान्तारमिश्राः
सन्दृश्यन्ते परिचितभुवो दण्डकारण्यभागाः।।

ख) किसलयमिव मुग्धं बन्धनाद्विप्रलूनं
हृदयकमलषोषी दारूणो दीर्घशोकः।
ग्लपयति परिपाण्डु क्षाममस्याः शरीरं
शरदिजइव धर्मः केतकीगर्भपत्रम्।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

लौकिकानां हि साधूनामर्थ वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए – 6

क) यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः।

ख) पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करूणो रसः।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	अधोलिखित में से किसी दो अलंकार का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – उपमा, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, दीपक	2
प्रश्न–5	किसी दो छन्द का लक्षण स्पष्ट कीजिए। अनुष्टुप, वंशस्थ, इन्द्रवज्रा, स्नग्धरा, षिखरणी।	2
प्रश्न–6	'उत्तरामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' की समीक्षा कीजिए।	2
प्रश्न–7	नायक के भेद स्पष्ट करते हुए उत्तररामचरित नाटक के नायक की कोटि स्पष्ट कीजिए।	2
प्रश्न–8	निम्नलिखित पद्य में छन्द एवं अलंकार बताइए – सतांड्केनापि कार्येण लोकस्याराधनम्परम्। तत्प्रतीतं हि तातेन माञ्च प्राणांश्च मुञ्चता।।	2
प्रश्न–9	उत्तररामचरित नाटक की कथा–वस्तु पर संक्षिप्त प्रकाष डालिए।	2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत — विषय कोड : यू.जी.एस.टी

Subject : Sanskrit — **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : बाणभट्टकृत कादम्बरी कथामुखम् (अगस्त्याश्रमवर्णन पर्यन्त) सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण) — कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 03

Course Title : — **Course Code : UGST-03**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद करें – 6

यस्मिश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं
चित्रकर्मसु वर्णसंकराः, रतेषु केशग्रहाः, काव्येषु
दृढ़बन्धाः शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भाः,
छत्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषु प्रकम्पाः, गीतेषु
रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु
गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जालमार्गाः, शशिकृपाण
–कवचेषु कलङ्काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि
शार्यक्षेषु शून्यगृहाः प्रजानामासन्। यस्य च
परलोकाद् भयमन्तःपुरिकालकेषु भङ्गो, नूपुरेषु
मुखरता, विवाहेषु करग्रहणमनवरतमखाग्नि
धूमेनाश्रूपातस्तुरङ्गेषु कशाभिघातो, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्।

प्रश्न–2 निम्नलिखित उक्ति की व्याख्या कीजिए – 6
'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति'।

प्रश्न–3 कादम्बरी कथामुखं के आधार पर चाण्डाल–कन्या का चरित्र चित्रण कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित में से संज्ञाओं का विधान करने वाले तीन सूत्रों की व्याख्या कीजिए। 2

क) लोप ख) अनुनासिक ग) पद घ) इत् ड.) संयोग

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 2

क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

ख) अपवर्गे तृतीया

ग) स्पृहेरीप्सितः

घ) भीत्रार्थानां भयहेतुः

ड.) अनुर्लक्षणे

प्रश्न–6 निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति निर्देश कीजिएः 2

क) तण्डुलान् ओदनं पचति।

ख) **क्रोशं** कुटिला नदी।

ग) **अक्ष्णा** काणः।

घ) **पुण्येन** दृष्टो हरिः।

ड.) **मुक्तये** हरिं भजति।

च) **हरये** नमः।

प्रश्न–7 कादम्बरी कथामुखम् के रचयिता हैं – 2

क) बाणभट्ट ख) माघ ग) हर्ष घ) कालिदास

प्रश्न–8 नमः, स्वस्ति, स्वाहा, स्वधा, अलं तथा वषट् के योग में विभक्ति होती है – 2

क) द्वितीया ख) चतुर्थी ग) सप्तमी घ) तृतीया

प्रश्न–9 प्रश्न संख्या–1 के रेखांकित पदों का सविग्रह समास बताइए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : वेद चयनम् कठोपनिषद् अनुवाद | कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 04
Course Title : | **Course Code : UGST-04**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित मंत्रो मे से किन्ही दो का अनुवाद कीजिए। 6

(क) अदितिद्यौरदितिरन्तरिक्षमदितिर्म्राता सपिता स पुत्रः।
विष्वै देवा अदितिः पञ्चजना अदितिर्जातमदितिर्जनिऽवम्।।

(ख) प्रतिद्विषणुः स्तवते वीर्चेण मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः।
यस्योरूषु त्रिषु विक्रमणेष्वेष्वधिक्षियन्ति भुवनानि विष्वा।

(ग) यः शम्बरं पर्वतेषु क्षियन्ते
चत्वारिंश्यां शरद्यन्वविन्दत्।
ओजायमानं यो अहि जघान।
दानुं शयानं स जनास इन्द्रः।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मत्रों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

क) शान्त संकल्पः सुमना यथा स्याद्वीत मन्युगोतमो माभिमृत्यो।
त्वत्प्रसृष्टं भाभि वे दत्प्रतीत एतत्गयाणां प्रथम वरं वृणे।।

ख) त्रिणाचिकेतस्त्रिभिरेत्य सन्धिं
त्रिकर्म कृत् तरति जन्ममृत्यु।
ब्रह्मजज्ञं देवमीड्.यं विदित्वा
नियाय्येमां शान्तिमत्यन्तमेति।।

ग) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः
स्वयं धीराः पण्डितम्यन्यमानाः।
द्रन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढ़ा
अन्धेनैव नीचमाना यथान्धाः।।

प्रश्न–3 इन्द्र सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 6
अथव
कठोपनिषद् के आधार पर नचिकेता का चरित्र–चित्रण कीजिए।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 किन्हीं चार पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें – 2

शम्बरं, रजन्तम्, गोपा, उरुगाय, तिष्ठे, सुधस्यं।

प्रश्न–5 वेदांग किसे कहते हैं? 2

प्रश्न–6 कठोपनिषद् के महत्तव पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–7 प्रातिशाख्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–8 किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 4

क) काशी नगरी गंगातट पर बसी है।

ख) गाँव के चारों ओर वृक्ष हैं।

ग) हमलोग रोज साथ में विद्यालय जाते है और गेंद खेलते हैं।

घ) आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

ड.) ब्राह्मण को प्रतिदिन दान देना चाहिए।

च) हिमालय भारतवर्ष की रक्षा करता है।

छ) सड़क के किनारे वृक्षों से पत्ते गिर रहे हैं।

ज) वेद चार और वेदांग छह है परन्तु पुराणों की संख्या अट्ठारह है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा
Course Title :

कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 05
Course Code : UGST-05

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 महाभारत में प्रतिपादित राजनीतिक आदर्शों पर विस्तापूर्वक प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न–2 कालिदास का काल निर्धारण करते हुए उनकी रचनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न–3 श्री हर्ष की काव्यगत विशेषताओं की विस्तापूर्वक विवेचना कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 हितोपदेश की विषय–वस्तु तथा रचयिता का परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–5 अश्वघोष की कृतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–6 चम्पूकाव्य के स्वरूप को समझाते हुए नलचम्पू काव्य की विशेषता बताइए। 2

प्रश्न–7 'भारवेरर्थगौरवम्' इस उक्ति की सार्थकता सिद्ध कीजिए। 2

प्रश्न–8 'वेणीसंहार' के रचियता का परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–9 मृच्छकटिक की कथा–वस्तु पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : संस्कृत निबन्ध(रचनानुवाद कौमुदी) | कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 06
लघु सिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा, संधि, स्त्री प्रत्यय)
Course Title : | **Course Code : UGST-06**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किसी दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए –
i) झलां जश् झशि, ii) आद्गुणः, iii) लोपःशाकल्यस्य
iv) एङ् पदान्तादति v) अनेकाल् शित्सर्वस्य

प्रश्न–2 निम्नलिखित का सूत्रोल्लेखपूर्वक व्याख्या कीजिए –
i) दैत्यारिः ii) विष्णूदयः iii) गङ.गौघः

प्रश्न–3 निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए –
i) संस्कृत भाषायाः महत्तवम्
ii) विद्ययाऽमृतमश्नुते
iii) वेदाङ्गानाम् महत्त्वम्
iv) परोपकाराय सतां विभूतयः

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित में से किसी दो का सूत्रोल्लेख करते हुए विग्रह कीजिए – 2
कृष्णैकत्वम्, उपैति, होतृकारः, प्रेजते

प्रश्न–5 संहिता किसे कहते है? 2

प्रश्न–6 'सुप्तिङन्तं पदम्' सूत्र को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित में से किसी दो की सिद्धी कीजिए – 2
i) गोपालिका ii) शकटी iii) सर्विका iv) अतिकेशी

प्रश्न–8 'अजाद्यतष्टाप्' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–9 निम्न में से किसी दो की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए – 2
i) युवतिः ii) अजा iii) औत्सी iv) कुमारी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : दर्शन द्ध ईशावास्योपनिषद श्रीमद्भगवद् गीता (तत्त्वविवेचना सहित द्वितीय तथा तृतीय अध्याय | कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 07
Course Title : | **Course Code : UGST-07**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नांकित किन्हीं दो मंत्रों की व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित हिन्दी व्याख्या कीजिए– 6

क) ईशावास्यमिंद सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञजीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम्।।
ख) हिरण्ययेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।
ग) विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह।
अविद्या मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते।।

प्रश्न–2 निम्मांकित किन्हीं दो श्लोकों की सन्दर्भ व्याख्या कीजिए– 6

क) देहिनोऽस्मिन् यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तर प्राप्ति धीरस्तत्र न मुह्यति।।
ख) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येदर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।
ग) नेहाभिक्रमनाशोऽस्ति प्रत्यवायो न विद्यते।
स्वल्पमप्यस्य धर्मस्य त्रायते महतो भयात्।।

प्रश्न–3 निम्नांकित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 6

क) गीता के आधार पर 'स्थित प्रज्ञ' का लक्षण दीजिए।
ख) ईशावास्योपनिषद् में विद्या और अविद्यापकर रति के परिणाम पर प्रकाश डालिए।

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 सभी उपनिषदों का नाम लिखें तथा उनका संक्षिप्त परिचय दें। 2
प्रश्न–5 गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्मा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–6 'त्यक्तेन भुज्जीथे' का व्यावहारिक आशय स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–7 गीता के अधार पर 'निष्काम कर्म' को परिभाषित कीजिए। 2
प्रश्न–8 गीता के अधार पर नीर–क्षीर विवेक' को स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न–9 ईशावास्योपनिषद् के अनुसार अन्तकाल में परमेश्वर की प्रार्थना का निरूपण कीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : काव्य एवं काव्यशास्त्र। | कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 08
Course Title : | **Course Code : UGST-08**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य विश्वनाथ द्वारा उपस्थापित मम्मट के काव्य–लक्षण के 'सगुणौ' पद की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–2 आचार्य विश्वनाथ के काव्य–लक्षण की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–3 साहित्यदर्पणकार के अनुसार शाब्दीव्यञ्जना के भेदों की विवेचना कीजिए। 6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

क्रियासु युक्तैर्नृप चारचक्षुषो
न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधुवा
हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।।

प्रश्न–5 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

प्रश्न–6 'उत्कर्षहेतवः प्रोक्ताः गुणालङ्काररीतयः' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–7 'नारिकेलफलसम्मितं भारवेर्वचः'इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–8 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए। 2

प्रश्न–9 गुप्तचर ने किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में युधिष्ठिर को दुर्योधन के राज्य के विषय में क्या बताया – संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2

उत्तर पदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : भाषा विज्ञान
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST
कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी० 09
Course Code : UGST-09

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1	भाषा की उत्पत्ति के अनुकरण सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।	6
प्रश्न–2	अर्थ परिवर्तन के कारणों का निरूपण कीजिए।	6
प्रश्न–3	पालि भाषा की सामान्य विशेषताओं का परिचय दीजिए।	6

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	भारोपीय परिवार के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–5	लौकिक संस्कृत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	2
प्रश्न–6	द्रविड़ भाषा परिवार की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	2
प्रश्न–7	व्यञ्जनों के वर्गीकरण के आधार का प्रतिपादन कीजिए।	2
प्रश्न–8	भाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–9	निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए – i) प्राकृत ii) वैदिक संस्कृत	2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस०एस०टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : ज्योतिर्गणित एवं ज्योतिर्विज्ञान का इतिहास | कोर्स कोड :यू०जी०एस०एस०टी० 01
Course Title : | **Course Code : UGSST-01**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(1) वैदिक ज्योतिष को परिभाषित करते हुए इसके उद्‌गम, विकास और सार्थकता पर प्रकाष डालिए। (6)

(2) अयनांष की गणना पर प्रकाष डालिए। (6)

(3) विंषोत्तरी दषा प्रणाली का संचालन करने वाले नियमों की व्याख्या कीजिए। (6)

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) संवत्सर कितने होते हैं? क्रमबद्व लिखित चर्चा करें। (2)

(5) सरस्वती योग की व्याख्या कीजिए। (2)

(6) दरिद्र योग को उदाहरण सहित लिखिए। (2)

(7) गुरू का गोचरीय सामान्य फल लिखिए। (2)

(8) वार निर्धारण विधि पर प्रकाश डालिए। (2)

(9) सूर्य सिद्वान्त के महत्व की चर्चा करें। (2)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : फलित ज्योतिष
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस०एस०टी
Subject Code : UGST
कोर्स कोड :यू०जी०एस०एस०टी० 02
Course Code : UGSST-02

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(खण्ड–अ)

(1) फलित ज्योतिष के महत्व पर विस्तार से प्रकाष डालिए। (6)

(2) चन्द्रमा का जन्मांड्ग मे क्या महत्व है? लिखिए :– (6)

(3) शनि की साढ़े साती से आप क्या समझते है? विस्तार से चर्चा कीजिए। (6)

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) राशियों के स्वभाव की चर्चा कीजिए। (2)

(5) स्थिर राषियॉ कौन सी है? और किस किस से यह सम्बन्ध रखती है? (2)

(6) मेलापक का क्या महत्व है? चर्चा कीजिए। (2)

(7) षडाष्टक दोष की व्याख्या कीजिए। (2)

(8) सौभाग्यवती स्त्रियों के भाग्य की चर्चा कीजिए। (2)

(9) संतति विचार पर चर्चा करते हुए अरिष्टकारी ग्रहों पर प्रकाष डालिए। (2)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : वास्तुशास्त्र
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस०एस०टी
Subject Code : UGST
कोर्स कोड :यू०जी०एस०एस०टी० 03
Course Code : UGSST-03

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(1) वास्तु पुरूष की उत्पत्ति एवं वास पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (6)

(2) वास्तु चक्र की व्याख्या कीजिए। (6)

(3) देवों की मूर्तियों के माप एवं दिषा निरूपण पर प्रकाष डालिए। (6)

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) भूमि परीक्षण विधि वर्णित कीजिए। (2)

(5) गृह प्रवेष मुहूर्त कैसे निर्धारित होता है? (2)

(6) वास्तु दोष निर्वारण बताइए? (2)

(7) द्वारादि पर अपने विचार लिखिए। (2)

(8) नूतन एवं जीर्ण गृह प्रवेषों में निषिद्व नक्षत्रों को लिखिए। (2)

(9) वास्तु में रंगों का प्रयोग किस प्रकार किया जाता? (2)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2016-2017**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit

विषय कोड : यू.जी.एस०एस०टी
Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : मुहूर्तशास्त्र एवं आयुर्वेद ज्योतिष
Course Title :

कोर्स कोड :यू०जी०एस०एस०टी० 04
Course Code : UGSST-04

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(1) मुहूर्त क्या है, इसका जीवन में क्या महत्व है? विस्तार में चर्चा कीजिए। (6)

(2) भद्रा की उत्पत्ति, दोष, निवारण पर विस्तृत चर्चा कीजिए। (6)

(3) विवाह के प्रकार एवं उसके लक्षण व्यक्त करते हुए भार्या प्रषंसा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (6)

खण्ड 'ख'

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) शकुन किसे कहते है, अषुभ शकुन का परिहार क्या है? (2)

(5) मंद, अंध, संज्ञक नक्षत्र कौन–कौन से है? (2)

(6) अन्त्येष्टि संस्कार पर प्रकाष डालिए। (2)

(7) संक्रान्ति के पुण्य काल, फल और संदान का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। (2)

(8) गोचर वेध किसे कहते है? सूर्य शनि का वेध क्या है? (2)

(9) पित्रज रोगो का ज्योतिषीय निदान क्या है? (2)

अथवा

नेत्र एवं चर्म रोग पर टिप्पणी लिखिए। (2)